विवेकानन्द अभ्युदय प्रकल्प खेतड़ी ।

हुलस रहा माटी का कण-कण, उमड़ रही रस धार है ।
त्यौहारों का देश हमारा, हमको इससे प्यार है ।

मन-भावन सावन आते ही,
हरियाली छा जाती है ।
राखी के दिन बहिन खुशी से,
फूली नहीं समाती है
घर बाहर झूले ही झूले
गाते राग मल्हार हैं ।

आजादी के दिवस तिरंगा,
घर-घर पर लहराता है ।
वीर शहीदों की गाथाएँ
हमको याद दिलाता है
मन भावों से भर जाता है
माँ की जय जयकार है ।
त्यौहारों का देश हमारा,
हमको इससे प्यार है ।

आता है हर वर्ष दशहरा,
होते खेल तमाशे हैं ।
दीवाली पर दीप-दान,
फुलझड़ियाँ खील बताशे हैं ।
धूम-धड़ाके और पटाखों,
की कैसी भरमार है !
त्यौहारों का देश हमारा
हमको इससे प्यार है ।

भाईचारें का संदेशा
ले ईद-मुबारक आती है ।
मीठी खीर, - सिवैयाँ,
सबके मन को भाती हैं ।

Name - Seema
Class - Xth
Rollno - 31